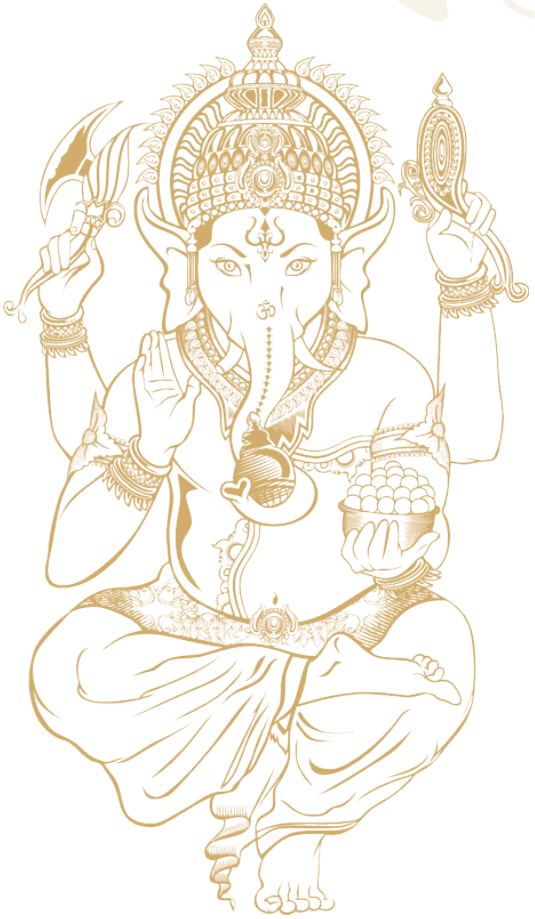

Mr.

24 Nov 1988

05:00 AM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121719402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23-24/11/1988**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	55:24:05 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:42:12 घंटे
वेलान्तर	00:13:34 घंटे
साम्पातिक काल	08:54:47 घंटे
सूर्योदय	06:50:22 घंटे
सूर्यास्त	17:18:05 घंटे
दिनमान	10:27:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	08:12:14 वृश्चिक
लग्न के अंश	13:55:58 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शिव
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमप्रकाश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:55:58	306:08:04	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	08:12:14	01:00:39	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	12:21:07	14:02:09	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल			मीन	10:29:05	00:18:01	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मित्र राशि
बुध		अ	वृश्चि	04:00:56	01:35:08	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु	व		वृष	07:13:40	00:08:11	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	06:48:26	01:13:58	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	07:30:11	00:06:29	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:37:51	00:12:46	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:37:51	00:12:46	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	05:48:23	00:03:18	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप			धनु	14:51:18	00:01:54	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	19:34:37	00:02:20	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	17:32:15	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:12

लग्न-चलित

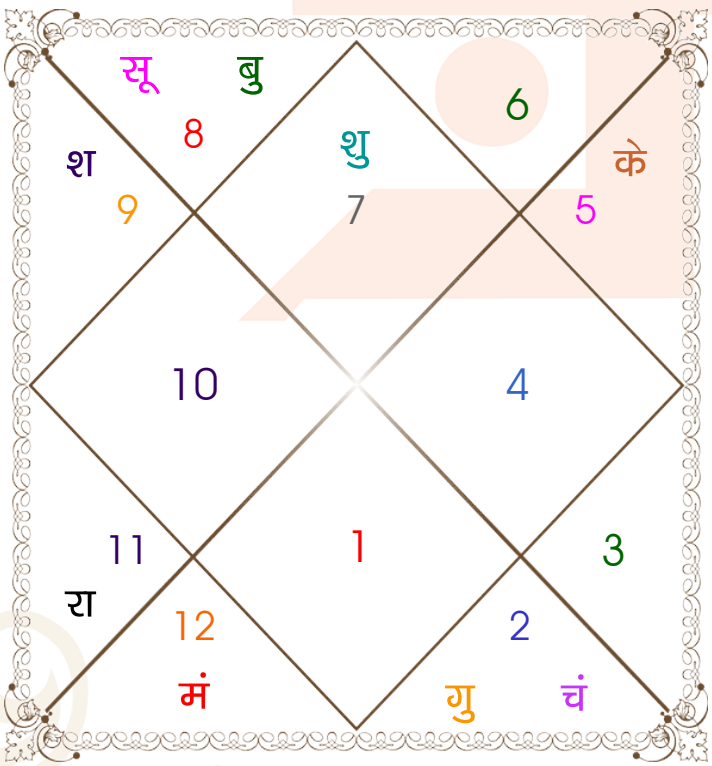

चन्द्र कुंडली

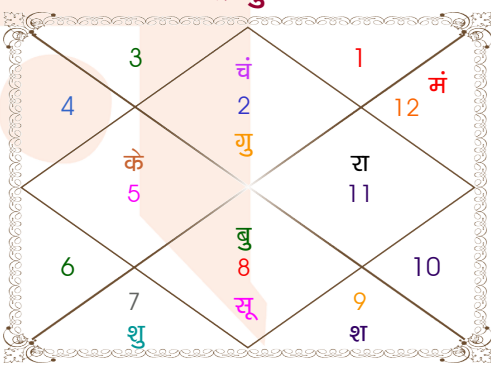

नवमांश कुंडली

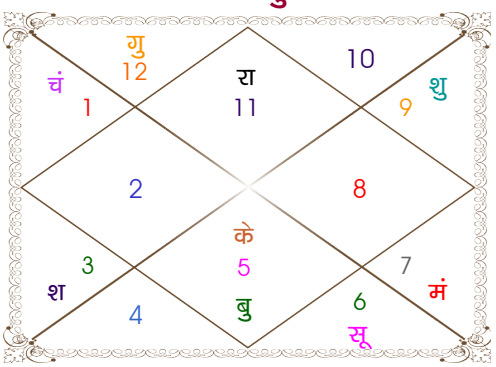

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 2 मास 25 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
24/11/1988		18/02/1997		19/02/2004		18/02/2022		18/02/2038	
18/02/1997		19/02/2004		18/02/2022		18/02/2038		18/02/2057	
	00/00/0000	मंगल	17/07/1997	राहु	01/11/2006	गुरु	07/04/2024	शनि	21/02/2041
	24/11/1988	राहु	05/08/1998	गुरु	26/03/2009	शनि	20/10/2026	बुध	01/11/2043
राहु	19/01/1990	गुरु	12/07/1999	शनि	31/01/2012	बुध	25/01/2029	केतु	10/12/2044
गुरु	21/05/1991	शनि	19/08/2000	बुध	20/08/2014	केतु	01/01/2030	शुक्र	10/02/2048
शनि	19/12/1992	बुध	17/08/2001	केतु	07/09/2015	शुक्र	01/09/2032	सूर्य	22/01/2049
बुध	21/05/1994	केतु	13/01/2002	शुक्र	07/09/2018	सूर्य	20/06/2033	चंद्र	23/08/2050
केतु	20/12/1994	शुक्र	15/03/2003	सूर्य	02/08/2019	चंद्र	20/10/2034	मंगल	02/10/2051
शुक्र	19/08/1996	सूर्य	21/07/2003	चंद्र	31/01/2021	मंगल	26/09/2035	राहु	08/08/2054
सूर्य	18/02/1997	चंद्र	19/02/2004	मंगल	18/02/2022	राहु	18/02/2038	गुरु	18/02/2057

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/02/2057		18/02/2074		18/02/2081		19/02/2101		19/02/2107	
18/02/2074		18/02/2081		19/02/2101		19/02/2107		00/00/0000	
बुध	18/07/2059	केतु	17/07/2074	शुक्र	19/06/2084	सूर्य	09/06/2101	चंद्र	21/12/2107
केतु	14/07/2060	शुक्र	16/09/2075	सूर्य	20/06/2085	चंद्र	08/12/2101	मंगल	21/07/2108
शुक्र	15/05/2063	सूर्य	22/01/2076	चंद्र	18/02/2087	मंगल	15/04/2102	राहु	25/11/2108
सूर्य	20/03/2064	चंद्र	22/08/2076	मंगल	20/04/2088	राहु	10/03/2103		00/00/0000
चंद्र	20/08/2065	मंगल	19/01/2077	राहु	20/04/2091	गुरु	27/12/2103		00/00/0000
मंगल	17/08/2066	राहु	06/02/2078	गुरु	19/12/2093	शनि	08/12/2104		00/00/0000
राहु	05/03/2069	गुरु	13/01/2079	शनि	18/02/2097	बुध	14/10/2105		00/00/0000
गुरु	11/06/2071	शनि	22/02/2080	बुध	20/12/2099	केतु	19/02/2106		00/00/0000
शनि	18/02/2074	बुध	18/02/2081	केतु	19/02/2101	शुक्र	19/02/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 3 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।